ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

**संख्या–१०**

**दिनांक–२३ मई २०१७**

**इमेल**: aas_ambikapur@yahoo.co.in

**टेलीफोन एवं फ़ेक्स**– ०७७७४–२३२९८६

## विगत सप्ताह का मौसम (१७-२३ मई २०१७)

अजिरमा, अंबिकापुर स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत सात दिनो के दौरान **मौसम शुष्क रहा** तथा सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि ९.५ से १०.५ घंटे के बीच दर्ज की गई । इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः **४०.८** डि.से. (सामान्य से अधिक है) तथा **२५.४** डि.से. (सामान्य है) दर्ज किया गया है । इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः ४.२ कि.मी. प्रति घंटा व ९.१ मि.मी. प्रति दिन थी । प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान (५, १० व २० से.मी. पर) क्रमशः **४७%** व ३१.०, ३१.५ व ३२.५ डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में क्रमशः **२१%** व ५४.५, ४६.० व ४३.४ डि॰से॰ दर्ज की गई ।

| दिनांक | अधिकतम तापमान (°C) | न्युनतम तापमान (°C) | वर्षा (मि०मी०) | सापेक्ष आर्दता (%) | | हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा) | सूर्य प्रकाश अवधि (hr) | वाष्पन (मि०मी०) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सुबह | दोपहर | | | |
| १७ मई २०१७ | 42.2 | 26.0 | 0.0 | 40 | 14 | 3.0 | 10.3 | 9.3 |
| १८ मई २०१७ | 42.7 | 24.6 | 0.0 | 46 | 21 | 4.4 | 10.5 | 10.4 |
| १९ मई २०१७ | 40.0 | 26.5 | 0.0 | 57 | 28 | 4.3 | 9.5 | 9.8 |
| २० मई २०१७ | 37.5 | 26.5 | 0.0 | 45 | 22 | 4.5 | 9.8 | 9.7 |
| २१ मई २०१७ | 41.0 | 24.0 | 0.0 | 49 | 25 | 4.4 | 10.2 | 8.0 |
| २२ मई २०१७ | 40.2 | 25.0 | 0.0 | 46 | 17 | 3.4 | 10.5 | 9.0 |
| २३ मई २०१७ | 41.8 | 25.5 | 0.0 | 43 | 19 | 5.3 | 10.4 | 7.6 |
| **औसत** | **40.8** | **25.4** | | **47** | **21** | **4.2** | **10.2** | **9.1** |
| **कुल** | | | **0.0** | | | | | **63.8** |

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (जिला– सरगुजा **के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२४-२८ मई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में कुछ जगहों पर हल्के-हल्के बादल देखे जा सकते हैं, हालाँकि आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है ।
2. सरगुजा जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **४१ से ४२°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२६ से २७°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **४५-६०** प्रतिशत तथा दोपहर में **१३-१६** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पूर्व एवं उत्तरी-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

## किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- खरीफ में जिन फसलों की बुआई करना हों, उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरुर कर लेवे ।
- भुमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करे
- किसान भाई धान के लिये नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर ले ।
- रोपा धान के खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये किसान भाई हरी खाद वाली फसले जैसे- ढैंचा, सनई आदि की बुआई करे । एक एकड़ में बुआई के लिये २०-२५ किलोग्राम बीज की आवश्कता होती हैं ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे एवं आवश्कतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढा देवे ।
- आम व लीची के फलदार पेड़ो में नियमित रूप से सिंचाई करे ।
- जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते है, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ्ढा खोदकर छोड़ दे ।
- गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों कों धुप/गर्मी से बचाकर रखें तथा जानवरों के घर के खिड़कियों को दिन में जुट के बोरों से ढक दे, तथा इन बोरों को पानी से भिगोते रहें जिससे ठंडी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओ को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे ।
- यदि संभव हो तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पांच घंटे में फौगर चलाएं ।
- तापमान में बढोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ जाती है । अत: किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये ।
- पशुओं एवं मुर्गियों के निवास स्थल में बोरे लगा कर लू एवं गर्म हवा से बचाव करना आवश्यक है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

**संख्या–१०**

**दिनांक–२३ मई २०१७**

**इमेल**: aas_ambikapur@yahoo.co.in

**टेलीफोन एवं फ़ेक्स**– ०७७७४–२३२९८६

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (जिला– **बलरामपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२४-२८ मई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में कुछ जगहों पर हल्के-हल्के बादल देखे जा सकते हैं, हालाँकि आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है ।
2. बलरामपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **४१ से ४२°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२६ से २७°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **४५-६०** प्रतिशत तथा दोपहर में **१३-१६** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पूर्व एवं उत्तरी-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

## किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- खरीफ में जिन फसलों की बुआई करना हों, उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरुर कर लेवे ।
- भुमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करे
- किसान भाई धान के लिये नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर ले ।
- रोपा धान के खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये किसान भाई हरी खाद वाली फसले जैसे- ढैंचा, सनई आदि की बुआई करे । एक एकड़ में बुआई के लिये २०-२५ किलोग्राम बीज की आवश्कता होती हैं ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे एवं आवश्कतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढा देवे ।
- आम व लीची के फलदार पेड़ो में नियमित रूप से सिंचाई करे ।
- जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते है, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ्ढा खोदकर छोड़ दे ।
- गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों कों धुप/गर्मी से बचाकर रखें तथा जानवरों के घर के खिड़कियों को दिन में जुट के बोरों से ढक दे, तथा इन बोरों को पानी से भिगोते रहें जिससे ठंडी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओ को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे ।
- यदि संभव हो तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पांच घंटे में फौगर चलाएं ।

- तापमान में बढोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ जाती है । अत: किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये ।
- पशुओं एवं मुर्गियों के निवास स्थल में बोरे लगा कर लू एवं गर्म हवा से बचाव करना आवश्यक है ।


ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

**संख्या–१०**
**इमेल**: aas_ambikapur@yahoo.co.in
**दिनांक–२३ मई २०१७**
**टेलीफोन एवं फ़ेक्स**– ०७७७४–२३२९८६


## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (जिला–**जशपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२४-२८ मई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में कुछ जगहों पर हल्के-हल्के बादल देखे जा सकते हैं, हालाँकि आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है ।
2. जशपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **४१ से ४२°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२६ से २७°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **४५-६०** प्रतिशत तथा दोपहर में **१३-१६** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पूर्व एवं उत्तरी-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

## किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- खरीफ में जिन फसलों की बुआई करना हों, उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरुर कर लेवे ।
- भुमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करे
- किसान भाई धान के लिये नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर ले ।
- रोपा धान के खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये किसान भाई हरी खाद वाली फसले जैसे- ढैंचा, सनई आदि की बुआई करे । एक एकड़ में बुआई के लिये २०-२५ किलोग्राम बीज की आवश्कता होती हैं ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।

- टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे एवं आवश्कतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढा देवे ।
- आम व लीची के फलदार पेड़ो में नियमित रूप से सिंचाई करे ।
- जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते है, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ्ढा खोदकर छोड़ दे ।
- गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों कों धुप/गर्मी से बचाकर रखें तथा जानवरों के घर के खिड़कियों को दिन में जुट के बोरों से ढक दे, तथा इन बोरों को पानी से भिगोते रहें जिससे ठंडी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओ को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे ।
- यदि संभव हो तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पांच घंटे में फौगर चलाएं ।
- तापमान में बढोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ जाती है । अत: किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये ।
- पशुओं एवं मुर्गियों के निवास स्थल में बोरे लगा कर लू एवं गर्म हवा से बचाव करना आवश्यक है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

**संख्या–१०**

**दिनांक–२३ मई २०१७**

**इमेल**: aas_ambikapur@yahoo.co.in

**टेलीफोन एवं फ़ेक्स**– ०७७७४–२३२९८६

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (जिला– **कोरिया के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२४-२८ मई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में कुछ जगहों पर हल्के-हल्के बादल देखे जा सकते हैं, हालाँकि आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है ।
2. कोरिया जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **४१ से ४२°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२६ से २७°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **४५-६०** प्रतिशत तथा दोपहर में **१३-१६** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पूर्व एवं उत्तरी-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

## किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- खरीफ में जिन फसलों की बुआई करना हों, उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरुर कर लेवे ।
- भुमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करे
- किसान भाई धान के लिये नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर ले ।
- रोपा धान के खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये किसान भाई हरी खाद वाली फसले जैसे- ढैंचा, सनई आदि की बुआई करे । एक एकड़ में बुआई के लिये २०-२५ किलोग्राम बीज की आवश्कता होती हैं ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे एवं आवश्कतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढा देवे ।
- आम व लीची के फलदार पेड़ो में नियमित रूप से सिंचाई करे ।
- जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते है, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ्ढा खोदकर छोड़ दे ।
- गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों कों धुप/गर्मी से बचाकर रखें तथा जानवरों के घर के खिड़कियों को दिन में जुट के बोरों से ढक दे, तथा इन बोरों को पानी से भिगोते रहें जिससे ठंडी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओ को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे ।
- यदि संभव हो तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पांच घंटे में फौगर चलाएं ।

- तापमान में बढोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ जाती है । अत: किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये ।
- पशुओं एवं मुर्गियों के निवास स्थल में बोरे लगा कर लू एवं गर्म हवा से बचाव करना आवश्यक है ।


ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय


**संख्या–१०**

**इमेल**: aas_ambikapur@yahoo.co.in

**दिनांक–२३ मई २०१७**

**टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६**

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (जिला– **सूरजपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

**२४-२८ मई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में कुछ जगहों पर हल्के-हल्के बादल देखे जा सकते हैं, हालाँकि आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है ।
2. सूरजपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **४१ से ४२°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२६ से २७°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **४५-६०** प्रतिशत तथा दोपहर में **१३-१६** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पूर्व एवं उत्तरी-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलोमीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

## किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- खरीफ में जिन फसलों की बुआई करना हों, उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरुर कर लेवे ।
- भुमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करे
- किसान भाई धान के लिये नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर ले ।
- रोपा धान के खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये किसान भाई हरी खाद वाली फसले जैसे- ढैंचा, सनई आदि की बुआई करे । एक एकड़ में बुआई के लिये २०-२५ किलोग्राम बीज की आवश्कता होती हैं ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे एवं आवश्कतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढा देवे ।
- आम व लीची के फलदार पेड़ो में नियमित रूप से सिंचाई करे ।

- जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते है, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ्ढा खोदकर छोड़ दे ।
- गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों कों धुप/गर्मी से बचाकर रखें तथा जानवरों के घर के खिड़कियों को दिन में जुट के बोरों से ढक दे, तथा इन बोरों को पानी से भिगोते रहें जिससे ठंडी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओ को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे ।
- यदि संभव हो तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पांच घंटे में फौगर चलाएं ।
- तापमान में बढोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ जाती है । अत: किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये ।
- पशुओं एवं मुर्गियों के निवास स्थल में बोरे लगा कर लू एवं गर्म हवा से बचाव करना आवश्यक है ।

**नोडल अधिकारी**
**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
**कृषि मौसम विज्ञान विभाग**